[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]–[illegible]

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] ([illegible])[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible], [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

[illegible] [illegible], [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

[illegible] [illegible]

[illegible] [illegible] [illegible], [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible], [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] ‘[illegible] [illegible] [illegible]’[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible], [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]-[illegible] [illegible]: [illegible] [illegible], [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]. [illegible] [illegible] [illegible], [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]: [illegible] [illegible] [illegible], [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible], [illegible] [illegible] [illegible]. [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]. [illegible] [illegible]

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] ‘[illegible] [illegible] [illegible]’ [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible], [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

নেই। কোন ফসল কখন লাগাতে হবে, কোন জাতের বীজ বপণ করতে হবে, কখন তার ভালো দাম পাওয়া যাবে, কীভাবে বাজারজাতকরণ করতে হবে-এই জ্ঞান না থাকলে কৃষিতে সফল হওয়া যাবে না। নিজের উন্নতির জন্য কৃষকদের উদ্যোক্তা হতে হবে, উদ্যোক্তা হিসেবে ব্যবসায়িক জ্ঞান, কারিগরি জ্ঞান, দক্ষতা ও সক্ষমতা বাড়াতে হবে। ইউসিবি সেই কাজটিই করার চেষ্টা করছে।

উল্লেখ্য, বাংলাদেশ ব্যাংকের নির্দেশনা অনুযায়ী ইউসিবি সামাজিক দায়িত্বের অংশ হিসেবে কৃষিখাতে সহায়তা প্রদানের জন্য ‘ভরসার নতুন জানালা’ নামে একটি বিশেষ প্রকল্প বাস্তবায়ন করছে। এই প্রকল্পের আওতায় দেশের ৬৪ জেলায় প্রতিটি উপজেলা থেকে নির্বাচিত কৃষি উদ্যোক্তাদের নিয়ে প্রশিক্ষণের আয়োজন করা হচ্ছে। ইতোমধ্যে ৪৫ জেলায় এই প্রশিক্ষণ প্রদান করা হয়েছে। এসব প্রশিক্ষণে উদ্যোক্তা হিসেবে বিকাশের জন্য করণীয়, ব্যবসায়িক পরিকল্পনা, তথ্যপ্রাপ্তি, মূলধন, বাজারজাতকরণ, সরকারি কৃষি প্রণোদনা সহায়তা পাবার পথ-পদ্ধতি ইত্যাদি বিষয় নিয়ে কৃষি-উদ্যোক্তাদের ধারণা প্রদান করা হয়।

অনুষ্ঠান শেষে ইউসিবির পক্ষ থেকে প্রশিক্ষণে অংশগ্রহণকারীদের উপহার হিসেবে উন্নত মানের সবজি বীজ, সারসহ বিভিন্ন উপকরণ প্রদান করা হয়।